सूचना

दिनांक – 01/10/2018

महोदय/महोदया,

हिन्दी विभाग, बिधानचंद्र कॉलेज आसनसोल द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार ''हिन्दी साहित्य का इतिहास और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल'' में आप सादर आमंत्रित है।

विषय – **हिन्दी साहित्य का इतिहास और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**

मुख्य अतिथि – डॉ. शांतनु बनर्जी (अंग्रेजी विभाग, काजी नजरुल विश्वविद्यालय)

मुख्य वक्ता –

1. डॉ. महेंद्र कुशवाहा (त्रिवेणी देवी भालोटिया कॉलेज, रानीगंज)
2. डॉ. कृष्ण कान्त श्रीवास्तव (आसनसोल गर्ल्स कॉलेज, आसनसोल)
3. डॉ. प्रतिभा प्रसाद (कुल्टी कॉलेज, कुल्टी)
4. डॉ. अरुण पाण्डेय (बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल)

दिनांक – 10 अक्टूबर 2018

समय – दोपहर 12 बजे से

स्थान – सेमिनार हॉल, बिधानचंद्र कॉलेज

आयोजक – हिन्दी विभाग, बिधानचंद्र कॉलेज

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
डॉ. विजय नारायण

प्राचार्य
डॉ. फाल्गुनी मुखोपाध्याय

Principal
Bidhan Chandra College
Govt. Sponsored
P.O, Asansol, Dist- Burdwan

हिन्दी विभाग, बिधानचन्द्र कॉलेज, आसनसोल

सेवा में...

महोदय / महोदया,

हिन्दी विभाग, बिधानचंद्र कॉलेज आसनसोल द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार "हिन्दी साहित्य का इतिहास और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल" में आप सादर आमंत्रित है।

विषय – हिन्दी साहित्य का इतिहास और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

मुख्य अतिथि – डॉ. शांतनु बनर्जी (अंग्रेजी विभाग, काजी नजरुल विश्वविद्यालय)

मुख्य वक्ता –

1. डॉ. महेंद्र कुशवाहा (त्रिवेणी देवी भालोटिया कॉलेज, रानीगंज)
2. डॉ. कृष्ण कान्त श्रीवास्तव (आसनसोल गर्ल्स कॉलेज, आसनसोल)
3. डॉ. प्रतिभा प्रसाद (कुल्टी कॉलेज, कुल्टी)
4. डॉ. अरुण पाण्डेय (बनवारी लाल भालोटिया कॉलेज, आसनसोल)

दिनांक – 10 अक्टूबर 2018

समय – दोपहर 12 बजे से

स्थान – सेमिनार हॉल, बिधानचंद्र कॉलेज

आयोजक – हिन्दी विभाग, बिधानचंद्र कॉलेज

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
विजय नारायण
डॉ. विजय नारायण

प्राचार्य
डॉ. फाल्गुनी मुखोपाध्याय

Principal
Bidhan Chandra College
Govt. Sponsored
P.O, Asansol, Dist- Burdwan

दिनांक - 10/10/2018

दिनांक 10/10/2018 को हिन्दी विभाग ने एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। जिसका विषय है। – "हिन्दी साहित्य का इतिहास और रामचन्द्र शुक्ल" जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में 'काजी नजरुल विश्वविद्यालय' से डॉ. शांतनु बनर्जी (अंग्रेजी विभाग) पधारे। साथ ही मुख्य वक्ता के रूप में :-

1. डॉ. महेन्द्र कुशवाहा - (त्रिवेणी देवी मेमोरियल कॉलेज, रानीगंज)
2. डॉ. कृष्णकान्त श्रीवास्तव - (आसनसोल गर्ल्स कालेज, आसनसोल)
3. डॉ. प्रतिमा प्रसाद - (कुल्टी कॉलेज, कुल्टी)
4. डॉ. अरुण पाण्डेय - (बनवारीलाल भलोटिया कॉलेज, आसनसोल)

उद्घाटन डॉ. फाल्गुनी मुखोपाध्याय ने किया।

सेमिनार दोपहर 12:00 बजे से लेकर शाम 4:30 बजे तक चला, जिसमें विभाग के सभी अध्यापकों और छात्रों की भागीदारी और सहयोग अतुलनीय रहा।

* छात्रों की तरफ से सभी वक्ताओं से प्रश्नोत्तर हुआ।
* शुक्ल जी पर अध्यापक आलोचकों के मत-मतांतर से अनेक अनसुलझे सवालों के उत्तर साफ हुए।
* उस आयोजन में कॉलेज के अध्यापकों की भागीदारी और सहयोग सराहनीय रहा।

[illegible]
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग

अध्यापकों के नाम	हस्ताक्षर
1. रिंकु शाह -	R.Shah
2. निशिकान्त तिवारी -	[illegible]
3. मौसमी सिंह -	मौसमी सिंह
4. आलम शेख -	[illegible]

छात्र - छात्राओं के नाम

1. प्रिती कुमारी साव
2) सुईटी कुमारी वर्मा
3) लक्ष्मीनीया रजक
4) अमिता भक्त
5) सुप्रिया तिवारी
6) सुमम प्रसाद
7) मेधा खेरवा
8) रोशनी कुमारी शर्मा
9) काजल कुमारी वर्मा
10) प्रसान्त प्रसाद
11) शिखा वर्णवाल
12) विशाखा ठाकुर
13) प्रिती कुमारी रजक
14) साबिहा बादशाह
15) अंजली कुमारी साव
16) आरती कुमारी
17) चैताली शर्मा
18) सिमरन परवीन
19) चंदन सिंह
20) रौनक प्रवीन
21) Shama Parween.
22) Roopkar Sharma
23) रितिक साव
24) प्रियांशु कुमार प्रसाद
25) रुचि कुमारी
26) सिमरन कुमारी
27) ईशा सागर
28) दिशा कुमारी साव
29) सुहानी कुमारी राजभर
30) ज्योती कुमारी
31) अंजली राय
(32) अनीश कुमार साव
(33) अतुल बरनवाल
(34) रितीक शर्मा
(35) दुर्गेन्द्र प्रसाद
36) निशा कुमारी मंडल
37) प्रिया कुमारी
38) ग्लोरिया सिरिल
39) खुशबू कुमारी
40) संध्या सिंह
41) सिखा गिरी
42) राजन कुमार शर्मा
43) सबनम खातुन
44) अर्पणा कुमारी बर्णवाल
45) प्रियंका साव
46) सोनम पाण्डेय
47) मासूम राजा
48) दिपीका कुमारी दास
49) दिपक यादव
50) राजन कुमार शर्मा
51) आरियन प्रसाद
52) बरसा प्रसाद
53) लक्ष्मी कुमारी
54) रमनदीप कौर
55) Nadish Mallick
56) Ayesha Zarine.
57) सजना साव
58) Subham Prasad
59) Suraj Mahato

अध्यापकों के नाम	हस्ताक्षर
1. Manju Gorai	M. Gorai
2. SABA PARWEEN	Saba Parween
3. Sohana Parween	[illegible]
4. [illegible]	[illegible]
5. Md. Tanweer	M Tanweer
6. Md. Shakil Ahmad Khan	[illegible]
7. Ragdip Chaly	[illegible]
8. Dr. Asup Ratan Basak	[illegible]
9. Amitabha Mukhopadhyay	A. Mukherji
10. Dipankar Ghosh	[illegible]
11. Saumen Chakraborty	[illegible]
12. महेन्द्र कुशवाहा	महेन्द्र कुशवाहा

रिपोर्ट

विषय – हिन्दी साहित्य का इतिहास और रामचन्द्र शुक्ल

हिन्दी विभाग, विधानचन्द्र कॉलेज, आसनसोल के सभागार में दिनांक 10–10–2018 को एक दिवसीय सेमिनार 'हिन्दी साहित्य का इतिहास और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल' का सफल आयोजन हुआ। डॉ. शांतनु बनर्जी (अंग्रेजी विभाग, काजी नजरूल विश्वविद्यालय) ने मुख्य अतिथि एवं संगोष्ठी की अध्यक्षता का सफलता पूर्वक निर्वहन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. फाल्गुनी मुखोपाध्याय ने अध्यापक, छात्र–छात्राओं एवं अतिथि वक्ताओं का यथोचित स्वागत और सम्मान किया।

डॉ. विजय नारायण ने विभाग की तरफ से सबका स्वागत और आभार प्रगट करते हुए आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के इतिहास लेखन पर कहा कि जिस प्रकार महाभारत में 'गीता' और 'रामचरितमानस' में 'चित्रकुट प्रसंग' का महत्व है। हिन्दी के सम्पूर्ण इतिहास लेखन वही महत्व शुक्ल जी का है, जो हिन्दी साहित्य के इतिहास की एक क्लासिकल रचना के रूप में मूल्यांकन पुर्नमूल्यांकन के साथ सदैव उत्प्रेरक रहेगी।

डॉ. महेन्द्र कुशवाहा ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास : पुर्नमूल्यांकन' विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि – शुक्लजी को विरासत में साहित्य का इतिहास नरकंकाल के रूप में मिला था, जिसमें शुक्लजी ने रक्त संचार कर मांसल रूप प्रदान किया। समकालीन आलोचना की सभी कसौटियों पर आज भी शुक्लजी का इतिहास सबसे उम्दा साबित होता है।

डॉ. कृष्णकान्त श्रीवास्तव ने 'लोक मंगल की अवधारणा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल' विषय पर आलोकपात करते हुए कहा – शुक्ल जी ने मध्यकालीन कवियों में सूरदास, गोस्वामी, तुलसीदास और जायसी के काव्य में लोक जीवन, लोकमन और लोकमंगल पर जिस सुरूचि और गंभीरता से व्यवहारिक आलोचना लिखी है, जो उनके पूर्व और बाद के सभी आलोचकों के लिए चुनौती प्रस्तुत करती है। खासकर के जायसी ग्रंथावली की भूमिका अनुसंधान और आलोचना का एक नायाब उदाहरण ही है।

डॉ. प्रतिमा प्रसाद ने 'आधुनिक साहित्य : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल' विषय पर कहा कि भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग और छायावादी युग पर विचार करते हुए शुक्लजी ने हिन्दी लेखकों के भाषा और नवजागरण के संघर्ष में जिस प्रकार त्याग और बलिदान दिया है। वह किसी स्तर पर स्वतंत्रता सेनानियों से कम नहीं है। खासकर भारतेन्दु मंडल, द्विवेदी जी की 'सरस्वती पत्रिका' और कवि निराला का साहित्य इसका ज्वलंत प्रमाण है।

डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय ने हिन्दी साहित्य का 'आदिकाल : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल' पर बात करते हुए कहा कि – शुक्लजी ने हिन्दी नागरी प्रचारणी सभा में संपादन, अनुसंधान और पाठालोचन करते हुए जिस तरह का आँख फोड़ काम किया है, उसकी चर्चा बहुत कम हुई है। बल्कि इसकी जगह काल–विभाजन का दोष शुक्ल जी पर मढ़ दिया जाता है। समय बहुत कम है बेसक इसकी चर्चा एक व्यापक रूप से करने की जरूरत है।

डॉ. शांतनु बनर्जी ने सभी वक्ताओं के विषय तथ्य को रेखांकित करते हुए अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि मैं अंग्रेजी का अध्यापक हूँ मगर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विद्यार्थी होने के नाते शुक्लजी के यशोकीर्ति से परिचित अवश्य हूँ। शुक्लजी ने अपने इतिहास में फूटकर कवियों की जो सूची दी है, वह अंग्रेजी साहित्य के किसी इतिहासकार ने प्रस्तुत नहीं की है। ऐसे कई कवि है, जिनका एक दोहा (रसलीन) दो–चार कवित्त (गंग) प्राप्त है। उन्हें भी शुक्ल जी ने गंभीरता और उचित टिप्पणी के साथ प्रस्तुत किया है। यह उनके महान आलोचनात्मक विवेक का परिचयाक है।

कार्यक्रम का चारु–सुचारु रूप से संचालन डॉ. रिंकु साह ने किया। धन्यचाद ज्ञापन निशीकांत तिवारी ने दिया। कार्यक्रम की शोभा–व्यवस्था की देख–रेख में डॉ. आलम शेख, डॉ. मौसमी सिंह, उर्दू विभाग के डॉ. शकील अहमद, अंग्रेजी विभाग के डॉ. अरूप विश्वास आदि ने बखुबी निभाया। छात्र–छात्राओं का उत्साह और उपस्थिति कार्यक्रम की मूल–प्रेरणा और उर्जा रही है।

छायाचित्र

सेमिनार
विषय-हिंदी साहित्य का इतिहास
और आचार्य रामचंद्र शुक्ल
BIDHANCHANDRA
ASANSOL

सेमिनार
विषय-हिंदी साहित्य का इतिहास
और आचार्य रामचंद्र शुक्ल

विषय-हिंदी साहित्य का इतिहास
और आचार्य रामचंद्र शुक्ल

सेमिनार
विषय-हिंदी साहित्य का इतिहास
और आचार्य रामचंद्र शुक्ल
BIDHANCHANDRACOLLEGE
ASANSOL

सेमिनार
विषय-हिंदी साहित्य का इतिहास
और आचार्य रामचंद्र शुक्ल
हिंदी विभाग,विधान चन्द्र कॉलेज,आसनसोल
मुख्य अतिथि-डॉ.शांतनु बनर्जी(अंग्रेजी विभाग,काजी नजरुल विश्वविद्यालय)
दिनांक-१० अक्टूबर २०१८
BIDHANCHANDRACOLLEGE
ASANSOL

B.C.C"S.H"L.S"2"05.
BIDHAN CHANDRA COLLEGE
ASANSOL

B.C.C"S.H"L.S"2"05.
BIDHAN CHANDRA COLLEGE
ASANSOL

B.C.C"S.H"L.S"2"05.
BIDHAN CHANDRA COLLEGE
ASANSOL

B.C.C"S.H"L.S"2"05.
BIDHAN CHANDRA COLLEGE
ASANSOL